(ख) यदि हां, तो इस बारे में क्या निर्णय लिया गया है; और

(ग) इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की जा रही है ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग). प्रश्न नहीं उठते ।

Reorganisation of Central Excise Divisions

9281. SHRI RAJARAM SHANKAR RAO MANI : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that there is a proposal to reorganise Central Excise Divisions and include Nasik, Jalgaon, Dhulia and Aurangabad in the Nagpur Division; and

(b) if so, what are the reasons for the same?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SATISH AGRAWAL) : (a) and (b), Government have no intention at present of including Nasik, Jalgaon, Dhulia and Aurangabad districts of Maharashtra in the Nagpur Central Excise Collectorate.

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के कार्यकरण के जांच के लिये आयोग की नियुक्ति करना

9282. **श्री उग्रसेन** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार द्वारा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक स्थापित किये गये थे और क्या उनके कार्यकरण एवं प्रबन्ध की जांच के लिए तथा उक्त बैंकों को प्रोत्साहन देने के लिए एक आयोग की नियुक्ति की गई थी और आयोग की सिफारिशों की प्रति सभा पटल पर कब रखी जायेगी; और

(ख) क्या सरकार इन बैंकों के शाखा मैनेजरों को समान कार्य के लिये समान वेतन संबंधी राष्ट्रीय नीति के अनुरूप वेतन-मान, महंगाई भत्ता तथा अन्य सुविधाएं देने के प्रश्न पर विचार करेगी ?

वित्त मंत्री (श्री एच० एम० पटेल) : (क) देश में विद्यमान 48 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के कार्यकरण की समीक्षा करने के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रो० एम०एल० दांतवाला की अध्यक्षता में एक समिति नियुक्त की थी ।

समिति की रिपोर्ट भारतीय रिजर्व बैंक को प्राप्त हो चुकी है तथा इस पर तत्परता पूर्वक विचार किया जा रहा है ।

(ख). वेतनमानों में संशोधन तथा स्टाफ को दिए जाने वाले अन्य भत्तों के प्रश्न पर सरकार इस समिति द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार तथा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा की गई टिप्पणियों के आधार पर जिनकी अभी प्रतीक्षा है, विचार करेगी ।

भारतीय हथकरघा के सिले सिलाये वस्त्रों की मांग

9283. **डा० महादीपक सिंह शाक्य** : क्या **वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विदेशों में भारतीय हथकरघा के सिले सिलाये वस्त्रों की मांग बढ़ी है;

(ख) क्या अनेक देशों के साथ करार हुए हैं ; और

(ग) यदि हां, तो वर्ष 1976–77 और 1977–78 में कुल कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई और अधिक विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लिये सरकार द्वारा क्या प्रयास किये जा रहे हैं ?